



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 126]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 18, 1992/माघ 29, 1913

No. 126]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 18, 1992/MAGHA 29, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1992

क्रा. आ. 140(अ) — जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जिसे इसके पश्चात् जे. के. एल. एफ. कहा गया है) एक ऐसा संगठन है जो वास्तव में पाकिस्तान और लश्कर में स्थित है और उनके भारतीय भूमि, विशेष कर जम्मू और कश्मीर में हमदर्द समर्थक और एजेंट है और

(i) भारत में जम्मू और कश्मीर राज्य को अलग करने के अपने उद्देश्य को खुले आम घोषणा की है और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए—

(क) जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए आत्मनिर्णय के अधिकार का प्रचार कर रहे है और भारतीय सैनिकों द्वारा कश्मीर के कथित कब्जे के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए राज्य में 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) का काला दिवस के रूप में मनाने के लिए पोस्टरों द्वारा राज्य के लोगों का आह्वान कर रहे है;

(ख) अपनी विचारधारा के अनुसार यह भी घोषणा की है कि जम्मू और कश्मीर राज्य के लोग किसी सधि/अथवा समझौता या करार में बंध नहीं हैं या वे उनका पालन नहीं करेंगे जो राज्य के लोगों (कश्मीर के उस क्षेत्र में जो अब पाकिस्तान के गैर कानूनी कब्जे में है, रह रहे लोगों सहित) की इच्छा के बगैर हुए हो;

(ii) इसने जम्मू और कश्मीर राज्य को भारतीय मंत्र से अलग करने के प्रयास में—

(क) पोस्टरों द्वारा बंद और हड़तानों का आह्वान करके सार्वजनिक व्यवस्था पैदा करने का प्रयास किया;

(ख) कश्मीर घाटी में आतंक का वातावरण पैदा किया और उन अनेक राजनीतिज्ञ कार्यकर्ताओं तथा सरकारी कर्मचारियों को हत्याएं की जा कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखने के लिए उत्तरदायी है और इन कार्यों द्वारा इनका इरादा राज्य में व्यवस्था पैदा करना है और कानून द्वारा स्थापित सरकारी तंत्र को पूरी तरह ठप्प करना है;

(iii) इसने नयी लोकसभा के चुनावों में ग्राम वोटरी द्वारा भाग लेने का बहिष्कार करने के लिए नवम्बर, 1989 में एक अभियान शुरू किया था और अपने बचाव के तरीकों द्वारा इस अभियान में बहुत हद तक सफल रहा;

(4) अपने उद्देश्यों के अनुसरण में जे. के. एल. एफ. के कार्यकर्ता विभिन्न अवरोधक गतिविधियों जैसे की, सुरक्षा बलों पर आक्रमण, अत्याधुनिक हथियारों के प्रयोग, और बिना किसी भेदभाव के महत्वपूर्ण राजनैतिक नेताओं, सरकारी कर्मचारियों और निर्दोष नागरिकों के अपहरण में लगे रहे;

(5) जे. के. एल. एफ. के अध्यक्ष अमानुल्ला खान ने 1-1-1990 को रावलपिंडी पाकिस्तान में एक बक्तव्य जारी किया जिसमें जे. के. एल. एफ. को भारत सरकार और इसके पदाधिकारियों और भारत में उन सभी राजनैतिक दलों का शुभमन घोषित किया जो जम्मू और कश्मीर राज्य को भारत के साथ विलय का समर्थन करते हैं;

और जबकि केन्द्रीय सरकार की राय है कि उपरोक्त कारणों से जे. के. एल. एफ. जिसमें इसके सदस्य, कार्यकर्ता सशस्त्र गुट और समर्थक शामिल हैं जो विदेशों में स्थित अपने नियामकों के सहयोग से भारत में आगे पीछे कार्य कर रहे हैं, गैर कानूनी संगठन हैं;

और जबकि केन्द्रीय सरकार की यह भी राय है कि सशस्त्र युद्ध और जे. के. एल. एफ. के सदस्यों द्वारा सुरक्षा बलों और ग्राम नागरिकों पर आतंकवादी हिंसा और आक्रमण की गतिविधियों के कारण, पूर्वोक्त पैराग्राफ में उल्लिखित संगठन को तत्काल प्रभाव से गैर कानूनी घोषित करना आवश्यक है;

अतः अब गैर कानूनी गतिविधि (निवारण अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार जे. के. एल. एफ. (जिसमें इसके सदस्य, कार्यकर्ता, सशस्त्र गुट और समर्थक शामिल हैं जो विदेशों में स्थित अपने नियामकों के सहयोग से भारत में कार्य कर रहे हैं, को गैर कानूनी संगठन घोषित करती है और उक्त धारा की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश देती है कि यह अधिसूचना उक्त अधिनियम का धारा 4 के अधीन किए जाने वाले किसी आदेश के अध्वधीन होने हुए, सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगी।

नई दिल्ली,

दिनांक 18 फरवरी, 1992

[फाईल नं. 13014/18/91-के]
जे. के. मिन्हा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th February, 1992

S.O. 140(E).—Whereas the Jammu and Kashmir Liberation Front (hereinafter referred to as JKLF) is an association actually based in Pakistan and London and having sympathisers, supporters and agents on Indian soil, especially in Jammu and Kashmir, and—

(i) it has openly declared as its aim secession of the State of Jammu and Kashmir

from the Union of India, and to achieve this purpose—

(a) has been preaching right of self-determination for the people of Jammu and Kashmir and has been giving calls through posters to the people of the State to observe 15th of August (Independence Day) as a Black day in the State to protest against the alleged occupation of Kashmir by Indian Forces;

(b) has also declared, as per its ideology, that the people of the State of Jammu and Kashmir are not bound by or will not abide by any treaty or accord or agreement which might have been arrived at without the wishes of the people of the State (including the people living in that area of Kashmir now under illegal occupation of Pakistan);

(ii) it has in its attempt to cause secession of the State of Jammu and Kashmir from the Union of India—

(a) tried to create public disorder by giving calls for Bandhs and strikes through posters;

(b) unleashed a reign of terror in Kashmir Valley and indulged in large number of assassinations of political workers and public servants who are responsible for maintenance of public order and by these acts it has intended to create chaos in the State and to effect complete breakdown of machinery of Government as established by law;

(iii) it had launched a campaign in November, 1989 to boycott participation by common voters in the Elections to the Ninth Lok Sabha and through its coercive methods succeeded to a large extent in that campaign;

(iv) in pursuance of its designs the activists of JKLF continued to indulge in various criminal acts such as attacks on the Security Forces, through use of combination of sophisticated weapons and abduction of important political leaders, public servants and innocent citizens without any discrimination;

(v) the Chairman of JKLF, Amanullah Khan through a statement issued on 01-01-1990 in Rawalpindi, Pakistan declared JKLF to be an enemy of Government of India and its functionaries and all such political par-

ties in India who support the accession of the State of Jammu and Kashmir with India ;

And whereas the Central Government is of the opinion that for the aforesaid reasons the JKLF (including its members, activists, armed groups and sympathisers working inside India in collaboration with their masters abroad) is an Unlawful association;

And whereas the Central Government is further of the opinion that because of the repeated acts of violence and attacks by armed groups and members of the JKLF on the security forces and on the civilian population, it is necessary to declare the association referred to in the preceding paragraph to be unlawful with immediate effect ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the JKLF (including its members, activists, armed groups and sympathisers working inside India in collaboration with their masters abroad) to be an unlawful association, and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section, that this notification shall subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

New Delhi,

Dated 18th February, 1992.

[F. No. 13014/18/91-K]

K. K. SINHA, Jt. Secy.

